



वश्वभारती को मल्लैगा दुनयल कल पहली लवलल गेरललैज यूनवलरसलटी कल दरऑल

वरुष 1921 में [रबीदरनलथ टैगोर](#) दवलरल सलथलपतल वश्वभलरती वश्ववदलवलल को दुनयल कल पहलल "लवलल गेरललैज यूनवलरसलटी" कल दरऑल प्रलप्त हुगल। वश्ववदलवलल को अपरैल यल मई 2023 में [यूनेस्को](#) से वरलसत कल टैग प्रलप्त हुने की उम्मीद है।

- सलमलन्यतः वरलसत कल टैग अमूरत स्मलरक को दयल जलतल है। दुनयल में पहली बलर कसलली मूरत वश्ववदलवलल को यूनेस्को से वरलसत कल टैग मललने जल रहल है।

वश्वभलरती वश्ववदलवलल से संबंढतल प्रमुख बढल:

- यह बलरत में प्रश्चमल बंगल के शलंतनलकैतन में स्थतल है। इसकी सलथलपनल वरुष 1921 में की गई थी तथल मई 1922 में जब तक वश्वभलरती सोसलइटी को एक संगठन के रूड में प्रजीकृत नही कयल गयल थल, इसकल नलम नुबेल प्रुरस्कर वजलतल रबीदरनलथ टैगोर के नलम प्र रखल गयल थल।
- रबीदरनलथ खुली शकलषल में वश्वलस करते थे और उनहुने वश्ववदलवलल में उस प्रणलली को प्रेश कयल, जो आज तक प्रचलतल है।
- यूनेस्को (UNESCO) के अनुसरल, वरुष 1922 में वश्व-भलरती कल उदघलटन कलल, भलषल, मलनवकी, संगीत में अन्वेषण के सलथ एक सलंसकृतकल केंदर के रूड में कयल गयल थल और ये आज उन वभिन्न संस्थलनों में प्रललकषतल हुतल हैं जो अपने शैक्षकल कर्यकरुमों में हदल कल अधययन सहतल, चीन-एशयलई अधययन, मलनवकी, ललतल कलल और संगीत कल अधययन जलरी रखे हैं।
 - यह संस्कृतल और संस्कृतल अधययन में उत्कृषटतल के संस्थलपक सदलधलतों प्र अधलरतल है।
- आज़लदी से प्रूरव यह एक महलवदलवलल थल और संस्थलन को वरुष 1951 में केंदरीय अधनलयल के मलध्यम से केंदरीय वश्ववदलवलल कल दरऑल प्रदलन कयल गयल थल।
- वश्वभलरती वश्ववदलवलल के संस्थलनों की भीतरी संरचनलएँ वलसतुशल्लल के संदरुभ में ववलधल हैं।
 - उदलहरणः
 - कललो बलरी (मूरतकलल पैनलस और तलरकुल सतह वलली मदलटी की संरचनल)
 - मलस्टरमोशलय स्टूडयल (कलल भवन के पहले प्रलचलर्य नंदललल बोस के लयल बनलई गई एक मंजलल संरचनल)
 - चीनल और हदल भवन प्र भतलतल चतलर एवं पेंटल

यूनेस्को (UNESCO):

- यूनेस्को (संयुक्त रलषटर शैक्षकल, वैज्जलनकल और सलंसकृतकल संगठन), [संयुक्त रलषटर](#) की एक वशलष एजेंसी है जो शकलषल, वज्जलन, संस्कृतल और संचलर के मलध्यम से वभिन्न रलषटरों के बीच सहयुग को बढवल देती है।
- यूनेस्को की प्रमुख पहलः
 - [मैन एंड बलयोसफ्रीयर रजलरव प्रुगुरलम](#)
 - [वश्व धरोहर करयकरुम](#)
 - [ग्लुबल जयलपरक नेटवरक](#)
 - [रचनलतुमक शहरों कल नेटवरक](#)

[सुरुतः इंडयलन एक्सप्रस](#)

प्रलचीन शयलन कललै की दीवलर में म्युऑनस कल प्रवेश

एक नए अधययन के अनुसरल, शोधकरतुतल चीन के एक प्रलचीन शहर शयलन में कललै की दीवलर की जलँच कर रहे हैं, जसलमें बलह्य अंतरकलष कण म्युऑन कल उपयोग कयल जल रहल है जो सैकड़ों मीटर भीतर पत्थर की सतहों में प्रवेश कर सकते हैं।

- वैज्ञानिकों ने शियान शहर की दीवार की जाँच करने के लिये **CORMIS (कॉस्मिक रे म्यूऑन इमेजिंग सिस्टम)** नामक एक म्यूऑन डिटेक्टर का उपयोग किया।

म्यूऑन्स क्या हैं?

- **परिचय:**
 - म्यूऑन्स अंतरिक्ष से बरसने वाले उप-परमाणु (Subatomic) कण हैं। इनका निर्माण तब होता है जब पृथ्वी के वायुमंडल में ये कण कॉस्मिक किरणों से टकराते हैं।
 - **कॉस्मिक किरणें** उच्च-ऊर्जा कणों के समूह हैं जो लगभग प्रकाश की गति से अंतरिक्ष में घूमते हैं।
 - साइंटिफिक अमेरिकन पत्रिका के अनुसार, "लगभग 10,000 म्यूऑन्स एक मिनट में पृथ्वी की सतह के प्रत्येक वर्ग मीटर तक पहुँचते हैं"।
- **वर्णनाएँ:**
 - ये कण इलेक्ट्रॉन के समान हैं लेकिन 207 गुना अधिक भारी हैं। नतीजतन उन्हें कई बार "फैट इलेक्ट्रॉन" के रूप में भी जाना जाता है।
 - म्यूऑन्स इतने भारी होते हैं कि अवशोषण या क्षय होने से पहले वे चट्टान या अन्य पदार्थ के माध्यम से सैकड़ों मीटर की यात्रा कर सकते हैं।
 - इसकी तुलना में इलेक्ट्रॉन केवल कुछ सेंटीमीटर तक ही प्रवेश कर सकते हैं।
 - इसके अलावा म्यूऑन्स अत्यधिक अस्थिर होते हैं और केवल 2.2 माइक्रोसेकंड तक मौजूद होते हैं।

म्यूओग्राफी (Muography):

- **परिचय:**
 - म्यूऑन की भेदन शक्त के कारण बड़ी संरचनाओं को स्कैन करने की वृद्धि को म्यूओग्राफी कहा जाता है।
- **म्यूओग्राफी के अनुप्रयोग:**
 - **पुरातत्त्व:**
 - अद्वितीय लाभों के साथ म्यूओग्राफी ने बड़े पैमाने पर पुरातात्विक स्थलों की जाँच के लिये एक नवीन एवं अभिनव उपकरण के रूप में पुरातत्त्वविदों का ध्यान आकर्षित किया है।
 - उदाहरण: म्यूओग्राफी का पहला उपयोग वर्ष 1960 के दशक के उत्तरार्द्ध में हुआ था जब **लुइस अल्वारेज़** नामक एक नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी ने गीज़ा में **खाफ़रे के परामंडि** में छपे हुए कमरों की तलाश के लिये मसिंर के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम किया था।
 - **अन्य अनुप्रयोग:**
 - म्यूओग्राफी का सीमा शुल्क सुरक्षा, ज्वालामुखियों की आंतरिक इमेजिंग तथा अन्य में भी उपयोग किया गया है।
 - वर्ष 2011 में **जापान में भूकंप और सुनामी** के बाद वैज्ञानिकों ने वर्ष 2015 में **फुकुशिमा नाभकीय रिएक्टरों** के बारे में जानने के लिये इस तकनीक का इस्तेमाल किया।
 - इसका उपयोग शोधकर्त्ताओं द्वारा इटली में ज्वालामुखी **माउंट वेसुवियस** का विश्लेषण करने के लिये भी किया जा रहा है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) के तहत रोज़गार सृजन का आकलन करने हेतु **श्रम और रोज़गार मंत्रालय (MoLE)** द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किये गए नमूना सर्वेक्षण के अनुसार, इस योजना ने लगभग 3 वर्षों की अवधि के दौरान **1.12 करोड़ शुद्ध अतिरिक्त रोज़गार** का सृजन करने में मदद की है (अर्थात, वर्ष 2015 से वर्ष 2018 तक)।

सर्वेक्षण के अन्य मुख्य आकर्षण:

- पछिले तीन वित्तीय वर्षों में राजस्थान राज्य में दिये गए **81 लाख ऋणों** में से **52 लाख से अधिक महिला उद्यमियों** को प्रदान किये गए, जो कुल ऋणों का **64%** है।
- **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना** का समय के साथ-साथ विस्तार किया गया है:
 - मछली पालन, डेयरी उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे **कृषि संबंधी गतिविधियों** को शामिल करने के लिये वर्ष 2016-17 में इस कार्यक्रम को व्यापक बनाया गया था।
 - **ट्रैक्टर और पावर टर्लर** के लिये 10 लाख रुपए की अधिकतम सीमा वाले ऋण वर्ष **2017-18 में PMMY** के तहत उपलब्ध कराए गए।

- वर्ष 2018-19 से व्यावसायिक उपयोग के लिये दोपहिया वाहनों के ऋण को PMMY में शामिल किया गया था।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना:

■ परिचय:

- PMMY को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।
- PMMY लघु व्यवसाय उद्यमों के लिये **10 लाख रुपए तक संपार्श्विक-मुक्त संस्थागत ऋण प्रदान करता है।**

■ वित्तपोषण प्रावधान:

- यह ऋण देने वाले सदस्य संस्थानों (Member Lending Institutions -MLIs) यानी अनुसूचति वाणज्यिक बैंकों (SCB), कृषेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) और सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFI) द्वारा प्रदान किया जाता है।

■ प्रकार:

- इस ऋण का उपयोग **वनिर्माण, व्यापार, सेवा क्षेत्र और कृषि** में आय-अर्जक गतिविधियों हेतु किया जा सकता है।
- PMMY के तहत **तीन ऋण उत्पाद हैं:**
 - शिशु (50,000 रुपए तक का ऋण)
 - कशोर (50,000 रुपए और 5 लाख रुपए के बीच ऋण)
 - तरुण (5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए के बीच ऋण)।

■ योजना में सुधार हेतु उठाए गए कदम:

- **उद्यमतिर पोर्टल** के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन का प्रावधान।
- कुछ **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Banks- PSB)** ने PMMY के तहत स्वचालित प्रतर्बिधों हेतु शुरू से अंत तक **डिजिटल ऋण** देना शुरू कर दिया है।
- हतिधारकों के बीच योजना की दृश्यता बढ़ाने हेतु **PSB और मुद्रा लमिटिड द्वारा गहन प्रचार अभियान।**
- PSB में **मुद्रा नोडल अधिकारियों** का नामांकन।



**MINISTRY OF
FINANCE**

**PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA
(PMMY)**



Under PMMY loans of upto Rs. 10 Lakh extended by Member Lending Institutions (MLIs) viz Scheduled Commercial Banks, Regional Rural Banks (RRBs), Small Finance Banks (SFBs), Non Banking Financial Companies (NBFCs), Micro Finance Institutions (MFIs) etc. for income-generating activities.

Loans provided in three categories namely, 'Shishu', 'Kishore' and 'Tarun' which signifies stage of growth or development and funding needs of borrowers.

Shishu : covering loans upto Rs. 50,000/-

Kishore : covering loans above Rs. 50,000/- and upto Rs. 5 lakh

Tarun : covering loans above Rs. 5 lakh and upto Rs. 10 lakh



प्रश्न. प्रधानमंत्री MUDRA योजना का लक्ष्य क्या है? (2016)

- (a) लघु उद्यमियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाना
- (b) निर्धन कृषकों को वशिष फसलों की कृषि के लिये ऋण उपलब्ध कराना
- (c) वृद्ध एवं नसिसहाय लोगों को पेंशन प्रदान करना
- (d) कौशल विकास एवं रोजगार सृजन में लगे स्वयंसेवी संगठनों का नधियिन करना

उत्तर: (a)

स्रोत: पी.आई.बी.

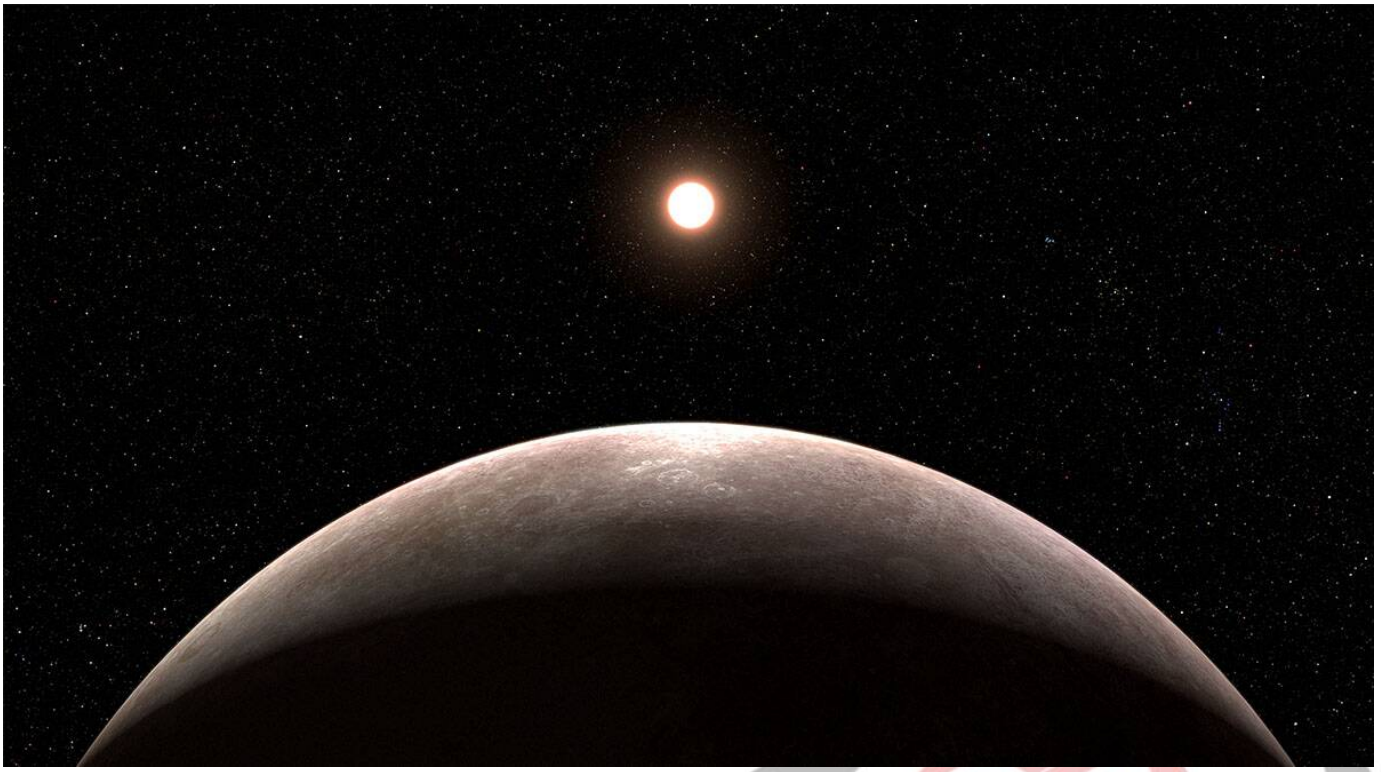
Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 07 फरवरी, 2023

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2023

भारतीय म्यूजिक कंपोजर रिकी केज (Ricky Kej) ने तीसरी बार ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। रिकी को उनके एल्बम 'डिवाइन टाइड्स' के लिये इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। इस अवॉर्ड शो में कुछ नए अवॉर्ड जैसे कंसोनिंग राइटर ऑफ द ईयर, बेस्ट स्कोर साउंडट्रैक फॉर वीडियो गेम्स समेत कई कैटेगरी शामिल की गई हैं। ग्रैमी अवॉर्ड्स अमेरिका की रिकॉर्डिंग अकादमी द्वारा संगीत उद्योग के कार्यों को पहचान दिलाने के लिये प्रदान किये जाते हैं। भारतीय संगीतकार रिकी केज ने तीसरी बार ग्रैमी अवॉर्ड जीता है। रिकी केज के एल्बम को सर्वश्रेष्ठ इमर्सिव ऑडियो एल्बम कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया। संगीतकार ने इस अवार्ड को मशहूर ब्रिटिश रॉक बैंड 'द पुलिस' के ड्रमर स्टीवर्ट कोपलैंड के साथ शेयर किया है। सॉनिंग ऑफ द ईयर अवॉर्ड बोनी रायट को 'जस्ट लाइक दैट' के लिये ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने इस कैटेगरी में टेलर स्विफ्ट को हराया।

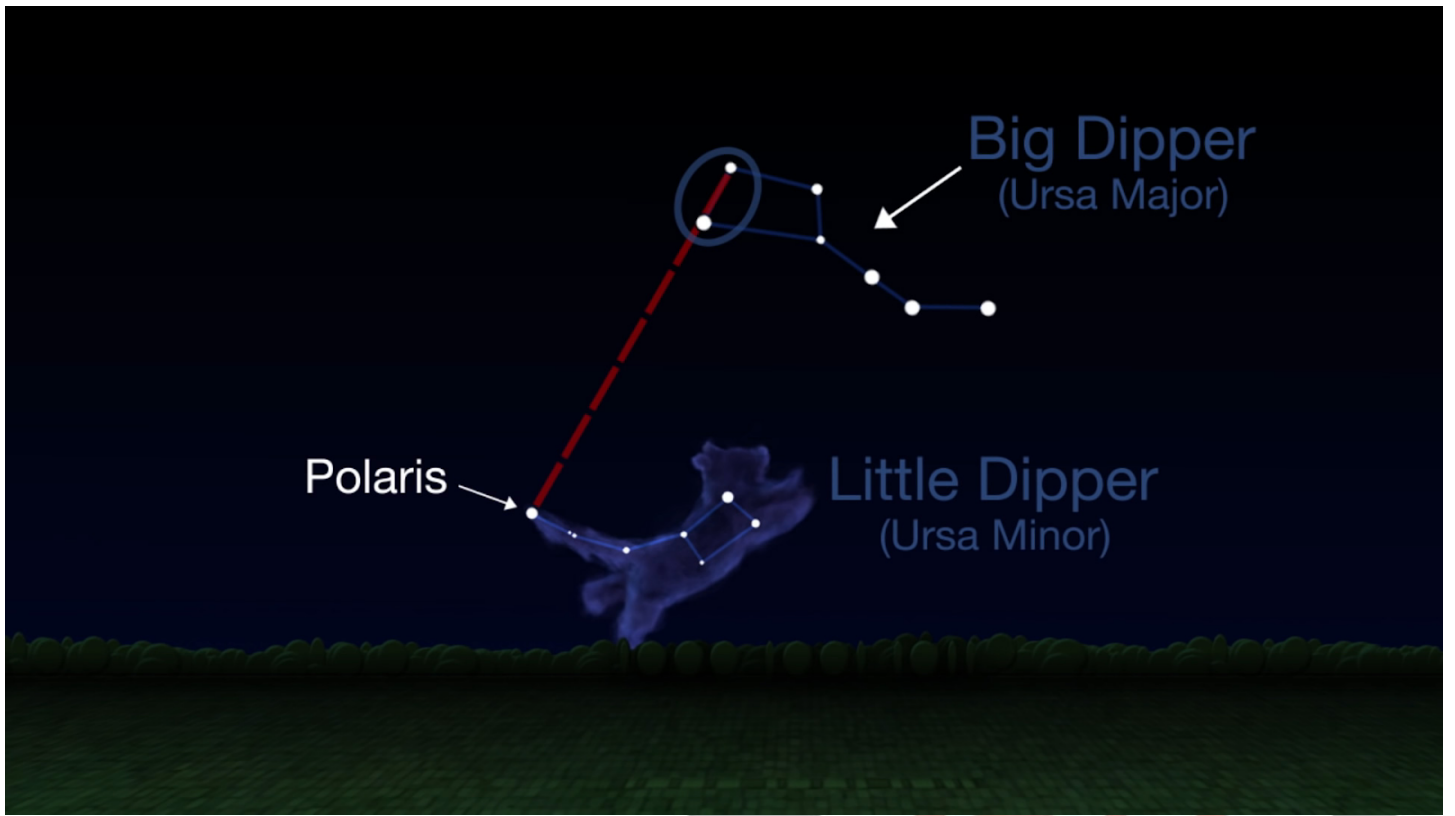
वुल्फ 1069 बी (Wolf 1069b)

हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक पृथ्वी जैसे दिखने वाले ग्रह का पता लगाया है, जो मनुष्यों के रहने योग्य हो सकता है। पृथ्वी से सरिफ 31 प्रकाश वर्ष की दूरी पर लाल बौने तारे की परकिरमा करने वाला एक एक्सोप्लैनेट है, जसि वुल्फ 1069 बी के रूप में जाना जाता है, दुनिया भर के 50 खगोलविदों के एक समूह ने इस नए एक्सोप्लैनेट के अस्तित्व की पुष्टि की है कि वुल्फ 1069 बी संभावित रूप से एक चट्टानी दुनिया है, जो पृथ्वी के द्रव्यमान से लगभग 1.26 गुना ज़्यादा और आकार में 1.08 गुना बड़ा है। यह हमारी आकाशगंगा मिल्की-वे के उत्तर की ओर स्थिति है जो पृथ्वी की तुलना में सूर्य के निकट पृथ्वी जैसा छटा ग्रह है। वुल्फ 1069 बी ज्वारीय रूप से अपने मूल तारे से जुड़ा हुआ है, जसिका अर्थ है कि एक हसिसा हमेशा दिन के उजाले में तथा वपिरीत हसिसा हमेशा अँधेरे में रहता है। यह पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी के 15वें हसिसे के बराबर दूरी पर 15.6 दिनों में तारे की परकिरमा करता है। अध्ययन के अनुसार, सूर्य से इसकी निकटता के बावजूद वुल्फ 1069बी पृथ्वी को सूर्य से मलिन वाली ऊर्जा का लगभग 65% हसिसा ही प्राप्त करता है। साथ ही इसकी सतह ठंडी होती है, जसिसे यह नारंगी रंग का दिखाई देता है। यह हमारी पृथ्वी की तरह बहुत कम विकिरण उत्सर्जित करता है।



ध्रुव तारा

पोलारसि, जिसे उत्तर तारा/ध्रुव तारा के रूप में जाना जाता है, बहुत चमकीला तारा है (सूर्य से ~2,500 गुना अधिक चमकदार), जो उर्सा माइनर तारामंडल (पृथ्वी से ~323 प्रकाश वर्ष दूर) का हिस्सा है। पोलारसि उत्तरी खगोलीय ध्रुव से 1° से भी कम दूरी पर है, लगभग पृथ्वी के घूर्णन अक्ष के साथ सीधी रेखा में है, इसलिये यह उत्तरी आकाश में स्थिर दिखाई देता है तथा अन्य सभी तारे इसके चारों ओर घूर्णन करते हुए प्रतीत होते हैं। इसकी स्थिति एवं चमक ने प्राचीन काल से ही मनुष्यों को नेविगेशन (दिशा सूचक) हेतु इसका उपयोग करने में सहायता की है। कर्षतिजि के ऊपर तारे की ऊँचाई पर्यवेक्षकों के अनुमानति अक्षांश को दर्शाती है। हालाँकि भूमध्य रेखा को दक्षिण में पार करने पर ध्रुव तारा कर्षतिजि पर खो जाता है जिस कारण इसका उपयोगी नेविगेशन में उपयोग करना असंभव हो जाता है। ऐसा लगता है कि पोलारसि का विश्लेषण पहली बार रोमन गणतिज्ञ/खगोलवद् टॉलमी (165 - 85 ईसा पूर्व) द्वारा किया गया था। नासा के अनुसार, "ध्रुव तारा" "एक उपाधि है जो समय के साथ अलग-अलग सितारों को दी जाती है"; पृथ्वी की घूर्णन धुरी वचिलति होने के कारण आकाशीय ध्रुव "युगों में धीमी गति से घूर्णन करता हुआ अलग-अलग तारों को पार करता है"। लगभग 14,000 वर्ष पहले आकाशीय ध्रुव चमकीले तारे वेगा की ओर संकेत करते थे और "यह लगभग 12,000 वर्षों में फिर से वेगा की ओर संकेत करेगा"।



नौसेना हल्के लड़ाकू विमान की INS वकिरांत पर लैंडिंग

भारत के स्वदेशी [हल्के लड़ाकू विमान \(LCA\)](#) के नौसैनिक संस्करण ने **INS वकिरांत पर अपनी पहली लैंडिंग की**, जो नौसेना की आत्मनिर्भरता योजनाओं की दृष्टि में एक मील का पत्थर है। इसके बाद दो इंजन वाले मर्गि-29K फाइटर जेट (रूसी मूल) ने लैंडिंग की और उड़ान भी भरी। INS वकिरांत, सितंबर 2022 में कमीशन किया गया भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत है, जो वर्तमान में संचालन की प्रक्रिया में है। जनवरी 2020 में [DRDO](#) ने INS वकिरमादित्य पर नौसेना LCA की सफल लैंडिंग का प्रदर्शन किया गया, जिसकी तर्ज पर **DRDO** INS वकिरांत के लिये **द्वि इंजन डेक-बेस्ड फाइटर (TEDBF)** विकसित करने की प्रक्रिया में है।

INS VIKRANT REBORN

India's First Indigenously-Built Aircraft Carrier

DID YOU KNOW?

- Flight deck is the size of two football grounds
- 8 power generators enough to light up Kochi city

VITAL STATS

₹20,000 Crore
Cost

45,000 tonnes
Weight

262 metres
Length

62 metres
Width

28 knots
Top Speed

2,300
Compartments

1,700
Crew Strength

AIR POWER TO BE DEPLOYED



MiG-29K
Fighter Jets

(Image Source: US Navy)



Kamov-31
Helicopters

(Image Source: Indian Navy)



MH-60R Multi-role
Helicopters

(Image Source: US Navy)

TOP FEATURES

- First aircraft carrier to be constructed in India
- Largest warship to be built in India
- Has capacity to operate 30 aircraft
- 15 decks, multi-speciality hospital, pool
- Specialised cabins for women officers

और पढ़ें... [INS विक्रान्त](#)

दक्षिण भारत की पहली औद्योगिक गलियारा परियोजना

भारत के प्रधानमंत्री ने [चेन्नई-बंगलुरु औद्योगिक गलियारा \(CBIC\)](#) के अंतर्गत 8500 एकड़ भूमि में फैले तुमकुरु में कार्यान्वयन होने वाली दक्षिण भारत की पहली औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी। तुमकुरु औद्योगिक टाउनशिप की योजना पीएम-गतशक्तिके सिद्धांतों के अनुरूप बनाई गई है ताकि आर्थिक क्षेत्र के लिये अंतिम मील मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। भारत सरकार (NICD और कार्यान्वयन ट्रस्ट के माध्यम से) तथा कर्नाटक सरकार प्रोजेक्ट स्पेशल परपज व्हीकल (SPV) के माध्यम से तुमकुरु ज़िले के वसंतनरसापुरा में 3 चरणों में औद्योगिक टाउनशिप का विकास कर रही है। [राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास \(NICD\) कार्यक्रम](#) के तहत 11 औद्योगिक गलियारों के अंतर्गत 32 ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों को विश्व स्तरीय प्लग-एन-प्ले बुनियादी ढाँचे के साथ विकसित किया जा रहा है।

11 Industrial Corridors:

- Delhi-Mumbai Industrial Corridor (DMIC)
- Amritsar-Kolkata Industrial Corridor (AKIC)
- Chennai-Bengaluru Industrial Corridor (CBIC)
- Vizag-Chennai Industrial Corridor (VCIC)
- East Coast Economic Corridor (ECEC)
- Hyderabad-Nagpur Industrial Corridor (HNIC)
- Hyderabad-Warangal Industrial Corridor (HWIC)
- Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor (HBIC)
- Bengaluru Mumbai Industrial Corridor (BMIC)
- Extension of CBIC to Kochi via Coimbatore
- Delhi-Nagpur Industrial Corridor (DNIC)



- WDFC - Dadri-JNPT
- EDFC - Sahnewal-Sonnagar - Dankuni
- East Coast DFC - Vijayawada to Kharagpur
- East West DFC - Bhusawal-Nagpur-Rajkharswan-Dankuni
- Bhusawal-Nagpur-Rajkharswan-Andal
- North South DFC - Vijayawada to Itarsi

1

और पढ़ें... [पीएम गतिशक्ति](#)

युवा संगम पोर्टल

हाल ही में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA), नई दिल्ली में "युवा संगम" पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया गया। युवा संगम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत पूरवोत्तर क्षेत्र और शेष भारत के युवाओं के मध्य घनषि्ट संबंध स्थापति करने की एक पहल है। इस पहल के तहत 20000 से अधिक युवा पूरे भारत की यात्रा करेंगे तथा एक-दूसरे की संस्कृतियों को समझने का अनूठा अवसर प्राप्त करेंगे। इस कार्यक्रम से पूरवोत्तर क्षेत्र के युवाओं को भारत की विविधता को समझने का अवसर मिलेगा।

और पढ़ें... [पूरवोत्तर भारत](#)